Project Work (M.com 3rd Semester) 2016-17

S.No.	Name	Subjects
1	Sandeep Kumar Shrivas	MBTS(NTC)
2	Arti Sinha	Business on Agriculture
3	Govind Chakradhari	Tele Service(Dokomo)
4	Anant Sharma	PMAY(Dongargarh Ref.)
5	Karandeep Singh Bhatia	Income Tax Slab Rate
6	Aditya Jain	Agriculture Loan
7	Ravi Sinha	Mortage Loan
8	Ankita Chopra	Advertising Manual
9	Dheeraj Jain	Gold Loan
10	Barkha Thakur	CSC(Dongargarh Ref.)
11	Shubham Kumar	Palayan (Dongargarh)
12	V. Gautam Rao	Effects of Computer
13	Divya Bindal	E-Banking
14	Devadas Sahu	Poultry Farm
15	Bhavana Sahu	Dairy Farm

सत्र 2016–17

परियोजना प्रतिवेदन

निर्देशक
डॉ. ई.व्ही. रेवती
सहायक प्राध्यापक
(वाणिज्य विभाग)

प्रस्तुतकर्ता
भावना साहू
एम.कॉम.अंतिम
चतुर्थ सेमेस्टर

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़
सम्बंद्धता : पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर

प्रस्तावना

हमारा देश एक विकासशील देश है यहां की 70 प्रतिशत जनसंख्या गांवो मे निवास करती है। गांवो मे अनेक प्रकार की समस्याऐं व्याप्त है जैसे अशिक्षा, गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता, रूढ़िवाद आदि। किसी देश के विकास के लिए उस देश के संपूर्ण क्षेत्रों का सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक विकास करना आवश्यक होता है। प्रायः इतिहास मे देखा गया है कि किसी देश में होने वाली सामाजिक, राजनैतिक, भौगोलिक आर्थिक परिवर्तनो में व्यापार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

विपणन ही वह माध्यम है जो समाज को जीवन स्तर प्रदान करता है। विपणन के द्वारा ही अनेक देशों का विकास हुआ है, यह लोगों को मुख्य रूप से रोजगार प्रदान करता है। हमारे देश की अनेक पंचवर्षीय योजनाओं में उद्योगो के विकास को प्राथमिकता दी गई है जिसमें लघु एवं कुटीर उद्योगो का विकास भी एक प्रमुख लक्ष्य है।

आज का युग औद्योगिकीरण का युग है। बड़े–बड़े स्थानों पर बड़े–बड़े उद्योग स्थापित किये जा रहे हैं जिससे बड़ी मात्रा में उत्पादन कार्य किया जा रहा है। इन उद्योगों का स्थापित करने के लिए बड़े स्थानों की आवश्यकता होती है तथा इनसे निकला हुआ रसायनिक कचरा पर्यावरण को भी प्रदुषित करता है।

किसी देश के विकास में लघु एवं कुटीर उघोंगो की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ये उघोग देश के लोगो को रोजगार प्रदान करते हैं। प्रस्तुत परियोजना "दुग्ध उत्पादन उद्योग" है। यह उद्योग लघु एवं कुटीर

परियोजना दुग्ध उत्पादन उद्योग
उघोंगो के अन्तर्गत ही आती है।

इस परियोजना को हमारे महाविद्यालय के प्राध्यापक एच0एस0 भाटिया के निर्देशन मे तैयार किया गया है। अतः मैं उनका आभार व्यक्त करती हूँ। मुझे इस प्रतिवेदन ''दुग्ध उत्पादन उद्योग'' को मुद्रित करने में श्री प्रतिक्षा ऑनलाईन सेंटर ने सहयोग प्रदान किया है अतः मै उनकी अभारी हूँ।

दुग्धशाला या डेयरी मे पशुओं का दूध निकालने तथा तत्सम्बंधी अन्य व्यापारिक एवं औद्योगिक गतिविधियॉ की जाती है। इसमें प्रायः गाय और भैंस का दूध निकाला जाता है किंतु बकरी, भेंड़, ऊँट और घोड़ी आदि के भी दूध निकाले जाते है।